

सेवा में,

1. माननीय मुख्यमंत्री महोदय, उत्तराखंड शासन, देहरादून
2. महामहिम राज्यपाल महोदया, उत्तराखंड शासन, देहरादून
3. माननीय चिकित्सा मंत्री महोदय, उत्तराखंड शासन, देहरादून
4. श्रीमान प्रमुख सचिव, चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग, उत्तराखंड शासन, देहरादून

विषय: उत्तराखंड चिकित्सा विभाग में नियमों एवं कानूनों को दरकिनार कर चिकित्सकों का मानसिक एवं आर्थिक उत्पीड़न किए जाने के संबंध में प्रथम आधिकारिक शिकायत।

महोदय/महोदया,

सविनय निवेदन है कि मैं चन्द्र शेखर जोशी, सामाजिक कार्यकर्ता/RTI एक्टिविस्ट, जनहित में आपके सम्मुख यह प्रथम आधिकारिक शिकायत प्रस्तुत कर रहा हूँ।

मुझे प्राप्त तथ्यों एवं अभिलेखों (संलग्न प्रत्यावेदन) से यह स्पष्ट हुआ है कि उत्तराखंड चिकित्सा स्वास्थ्य विभाग में तैनाती/स्थानांतरण संबंधी कार्यवाहियों में उत्तराखंड स्थानांतरण अधिनियम, 2017 एवं प्रचलित शासनादेशों का पालन नहीं किया जा रहा है, बल्कि उन्हें दरकिनार कर मनमाने ढंग से निर्णय लिए जा रहे हैं।

इस प्रकरण में यह पाया गया कि—

- पति-पत्नी दोनों विशेषज्ञ चिकित्सक होने के बावजूद उन्हें एक ही स्थान पर तैनाती का लाभ नहीं दिया गया,
- संबंधित चिकित्सको द्वारा दुर्गम क्षेत्र में सेवा देने की स्पष्ट इच्छा व्यक्त करने के बावजूद उसे नजरअंदाज किया गया,
- जबकि यह अत्यंत महत्वपूर्ण तथ्य है कि—जिला चिकित्सालय पौड़ी (दुर्गम) में, जहां डॉ. संजय डालाकोटी की पत्नी डॉ. सोनाली जोशी ENT सर्जन के रूप में विगत लगभग 01 वर्ष से कार्यरत हैं, उसी चिकित्सालय में हड्डी रोग विशेषज्ञ (Orthopedic Surgeon) का पद भी रिक्त है। (संलग्न) इसके बावजूद संबंधित चिकित्सक को वहां तैनात न कर अन्यत्र भेजा जाना स्पष्ट रूप से नियमों एवं तर्कसंगत प्रशासनिक निर्णय के विपरीत है।
- यह भी महत्वपूर्ण तथ्य सामने आ रहा है कि जिला चिकित्सालय पौड़ी में NHM के अंतर्गत "यू कोड वे पे" योजना के अंतर्गत 3-4 लाख माह के मानदेय पर 01 हड्डी रोग विशेषज्ञ कि तैनाती की गई है जिसका अनुबंध 31 मार्च 2026 को समाप्त हो गया है और उप जिला चिकित्सालय कोटद्वार(पौड़ी) में भी NHM से ही उक्त मानदेय पर 02 हड्डी रोग विशेषज्ञ तैनात किए हैं जबकि PMHS संवर्ग के हड्डी रोग विशेषज्ञ को 1.50 के लगभग वेतन प्रति माह भुगतान ही करना पड़ता है।
- जिला चिकित्सालय पौड़ी ENT में मात्र 30-40 की रोजाना OPD पर 02 विशेषज्ञ ENT चिकित्सक तैनात किए हैं। जबकि उप जिला चिकित्सालय कोटद्वार (पौड़ी) में 02 स्वीकृत पदों के सापेक्षा मात्र 01 ENT विशेषज्ञ तैनात किए हैं।
- इसके अतिरिक्त यह भी अत्यंत चिंताजनक है कि—जहां उत्तराखंड में अधिकांश विशेषज्ञ चिकित्सक दुर्गम क्षेत्रों में सेवा देने को तैयार नहीं होते, वहीं संबंधित चिकित्सक दम्पति द्वारा स्वेच्छा से 05-06 वर्षों तक दुर्गम क्षेत्र में विशेषज्ञ के रूप में सेवा देने का विकल्प प्रस्तुत किया गया। इसके बावजूद, एक

को दुर्गम एवं दूसरे को सुगम क्षेत्र में तैनात करना न केवल अन्यायपूर्ण है, बल्कि यह उनके आर्थिक एवं मानसिक उत्पीड़न को दर्शाता है।

यह कार्यवाही निम्न प्रावधानों का प्रत्यक्ष उल्लंघन है—

1. उत्तराखंड स्थानांतरण अधिनियम, 2017 के नियम 13(3) - पति-पत्नी को एक स्थान पर तैनाती एवं
2. नियम 18 (1), (2), (5) - दुर्गम क्षेत्र में तैनाती संबंधी प्रावधान

इस प्रकार की अनियमितताओं के दुष्परिणाम:

1. जहां चिकित्सकों को दुर्गम क्षेत्र प्रोत्साहन (50% अतिरिक्त वेतन) से वंचित होना पड़ेगा। वही SDACP एवं अन्य सेवा लाभों में बाधा उत्पन्न होगी।
2. पति-पत्नी अलग-अलग स्थानों पर तैनाती के कारण मानसिक एवं पारिवारिक तनाव बड़ेगा। इससे चिकित्सकों की कार्यक्षमता प्रभावित होगी, जिससे जन स्वास्थ्य सेवाओं पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा।
3. ऐसी परिस्थितियों में चिकित्सक स्वयं को उत्पीड़ित महसूस कर सेवा छोड़ने तक के लिए बाध्य हो रहे हैं। जो कि उत्तराखंड की भौगोलिक परिस्थितियों एवं चिकित्साकीय समस्याओं के लिए सही नहीं है।

अतः आपसे निवेदन है कि—

1. उक्त प्रकरण सहित समान प्रकृति के सभी मामलों की उच्च स्तरीय निष्पक्ष जांच कराई जाए।
2. उत्तराखंड स्थानांतरण अधिनियम, 2017 एवं संबंधित शासनादेशों का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित किया जाए। जो दुर्गम में सेवा देना चाहते हैं उन्हें उत्पीड़न की बजाय प्रोत्साहित किया जाय।
3. दोषी अधिकारियों/कर्मियों के विरुद्ध अनुशासनात्मक कार्यवाही की जाए।
4. स्थानांतरण प्रक्रिया को पारदर्शी एवं जवाबदेह बनाया जाए।
5. प्रभावित चिकित्सकों को तत्काल न्याय प्रदान कर उनके मानसिक एवं आर्थिक उत्पीड़न को समाप्त किया जाए।

अंत में, यह शिकायत केवल व्यक्तिगत प्रकरण तक सीमित नहीं है, बल्कि व्यापक जनहित, सेवा न्याय एवं सुशासन से जुड़ा हुआ विषय है। अतः आपसे अपेक्षा है कि इस पर 15-30 दिनों के भीतर आवश्यक कार्यवाही कर सूचित करने का कष्ट करेंगे।

संलग्न: संबंधित चिकित्सको का प्रत्यावेदन (प्रतिलिपि)

- 2- जिला चिकित्सालय पौड़ी में हड्डी रोग विशेषज्ञ (Orthopedic Surgeon) के रिक्त पद की सूचना।
- 3- उप जिला चिकित्सालय कोटद्वार (पौड़ी) में ENT विशेषज्ञ के रिक्त पद की सूचना।

दि 01/04/2026

भवदीय
चन्द्र शंकर जोशी
(चन्द्र शंकर जोशी)

सामाजिक कार्यकर्ता / RTI Activist

m0s0 7/254, कालिका कुंज, ब्लाक आफिस के पास
जून एस्टेट रोड भीमताल (नैनीताल) उत्तराखंड 263136
MOB-6396260042 मेल ID-csjoshi1166@gmail.com

सेवा में,
महानिदेशक,
चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण,उत्तराखंड, देहरादून
द्वारा- उचित माध्यम

विषय: उत्तराखंड शासन चिकित्सा स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा अनुभाग -1 के आदेश संख्या 379892 दिनांक 17 मार्च 2026 के क्रम में आपके कार्यालय आदेश पत्रांक 8187 दिनांक 25 मार्च 2026 के संबंध में प्रत्यावेदन।

महोदय,
सविनय निवेदन है कि प्रार्थी द्वारा PG कोर्स पूर्ण करने के उपरांत उत्तराखंड शासन चिकित्सा स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा अनुभाग -1 के आदेश संख्या 379892 दिनांक 17 मार्च 2026 के क्रम में आपके कार्यालय आदेश पत्रांक 8187 दिनांक 25 मार्च 2026 की क्र0सं0 22 पर Orthopedic बिशेषज्ञ के रूप में उप जिला चिकित्सालय कोटद्वार(पौड़ी) में तैनाती की गई है। जिसके क्रम में मेरा पुनर्विचार हेतु प्रत्यावेदन इस प्रकार है कि मेरे द्वारा तैनाती से पूर्व ही संलग्न पत्र दिनांक 01/01/2026(प्रेषक-डॉ. संजय डालाकोटी) द्वारा PG उपरांत नई तैनाती हेतु उचित माध्यम से आवेदन किया गया था। जिसे CMO पिथौरागढ़ द्वारा अपने कार्यालय पत्रांक 3433 दिनांक19/01/2026 से आपको आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित किया गया था,जिसमें मेरे द्वारा लिखा गया था कि -

- प्रार्थी द्वारा PMHS संवर्ग में बिभाग से NOC लेकर 03 वर्षीय स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम MS (Orthopedic) दून मेडिकल कालेज उत्तराखंड से सफलतापूर्वक पूर्ण किया गया,
- तत्पश्चात दिनांक 31.12.2025 को उत्तराखंड मेडिकल काउंसिल (UMC) में PG पंजीकरण कराया गया,
- एवं दिनांक 01.01.2026 को पति-पत्नी एक स्थान पर तैनाती (Spouse Policy) के अंतर्गत जिला चिकित्सालय पौड़ी (दुर्गम) में Orthopedic के रिक्त पद पर तैनाती हेतु आवेदन किया गया था।

साथ ही उक्त पत्र में यह भी अवगत कराया गया था कि—


- प्रार्थी की पत्नी डॉ. सोनाली जोशी ENT विशेषज्ञ के रूप में जिला चिकित्सालय पौड़ी गढ़वाल में कार्यरत हैं,
- मेरे द्वारा उक्त पत्र के साथ अभिलेख उपलब्ध कराये गए थे जिसमें जिला चिकित्सालय पौड़ी गढ़वाल में PMHS संवर्ग का Orthopedic सर्जन का पद रिक्त था।
- अतः उत्तराखंड स्थानांतरण अधिनियम, 2017 के नियम 13(3) के अंतर्गत पति-पत्नी को एक स्थान पर तैनाती का लाभ प्रदान किया जाना अपेक्षित था।
- उत्तराखंड स्थानांतरण अधिनियम, 2017 के नियम 18 (1) (2) एवं (5) (प्रथम नियुक्ति या पदोन्नति में दुर्गम में तैनाती की व्यवस्था भी प्रदान की गई थी)

किन्तु अत्यंत खेद के साथ अवगत कराना है कि—

- प्रार्थी के उक्त आवेदन पर विचार न करते हुए, प्रार्थी की तैनाती उप जिला चिकित्सालय, कोटद्वार (पौड़ी) में कर दी गई, जो कि सुगम क्षेत्र में आता है।
- जहां उत्तराखंड में कोई भी स्पेशलिस्ट चिकित्सक दुर्गम में सेवा करने को तैयार नहीं होता वही हम दोनों पति पत्नी 05-06 साल तक दुर्गम में स्पेशलिस्ट चिकित्सक के रूप में सेवा करने का बिकल्प दे रहे हैं। परंतु मेरी पत्नी को दुर्गम और मुझे सुगम में तैनाती देना न्याय संगत नहीं है बल्कि ऐसा प्रतीत हो रहा है कि बिभाग द्वारा हमारा आर्थिक और मानसिक उत्पीड़न किया जा रहा है।

जिससे निम्न गंभीर आर्थिक और मानसिक प्रतिकूल प्रभाव उत्पन्न हो रहे हैं—

1. प्रार्थी को शासनादेश संख्या 364383 दिनांक 23 जनवरी 2026 के अंतर्गत मिलने वाला दुर्गम क्षेत्र में तैनाती हेतु 50% अतिरिक्त वेतन (Incentive) से वंचित कर दिया गया।


 पत्र (09)

2. दुर्गम क्षेत्र में सेवा न मिलने के कारण भविष्य में मिलने वाली SDACPS अंतर्गत वेतन वृद्धियों (increments) में शासनादेश संख्या 654 दिनांक 14 जुलाई 2016 के बिन्दु संख्या 01 एवं 02 के अनुसार सेवाकाल में 04-09-13-20 वर्ष की सेवा पर 02-05-07-09 वर्ष की दुर्गम सेवा अनिवार्य है। इसमें बाधा उत्पन्न होगी। और मुझे इस लाभ से भी वंचित कर दिया जाएगा।
3. उत्तराखंड शासन की पति-पत्नी को एक स्थान पर तैनात करने की नीति का स्पष्ट उल्लंघन हुआ है।
4. पति-पत्नी अलग-अलग स्थानों पर कार्यरत होने के कारण पारिवारिक दायित्वों एवं एक-दूसरे की देखभाल में कठिनाई उत्पन्न हो रही है, जिसका सीधा प्रभाव हमारे मानसिक एवं कार्यक्षमता पर पड़ रहा है।
5. परिणामस्वरूप—जहां मुझे कम वेतन मिलने से आर्थिक परेशानी होगी वही मानसिक परेशानियों के कारण मेरी एवं मेरी पत्नी की कार्यक्षमता प्रभावित होगी जिससे राज्य के गरीब एवं दूरस्थ क्षेत्र के मरीजों की स्वास्थ्य सेवाओं पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ना संभावित है।

अतः आपसे विनम्र निवेदन है कि—निम्न 03 विकल्पों में से किसी एक विकल्प पर कार्यवाही करने का कष्ट करें

1- प्रार्थी के दिनांक 01.01.2026 के आवेदन पर पुनर्विचार करते हुए, उत्तराखंड स्थानांतरण अधिनियम, 2017 के नियम 13(3) एवं 18 (1) (2) एवं (5) का अनुपालन सुनिश्चित करने का कष्ट करें। मुझे जिला चिकित्सालय पौड़ी (दुर्गम) में Orthopaedics के रिक्त पद पर तैनात करने का कष्ट करें।

अथवा

2. प्रार्थी से उप जिला चिकित्सालय कोटद्वार (पौड़ी) में Orthopaedics विशेषज्ञ की सेवाये लेते हुये दुर्गम क्षेत्र में तैनाती के आधार पर मिलने वाले सभी वेतन एवं सेवा संबंधी लाभ (50% अतिरिक्त वेतन, SDACP लाभ आदि) प्रदान करने हेतु आदेश निर्गत करने का कष्ट करें।

अथवा

3. मेरी पत्नी को भी जिला चिकित्सालय पौड़ी से स्थान्तरित कर मेरे साथ उप जिला चिकित्सालय कोटद्वार (पौड़ी) में ENT विशेषज्ञ / अन्य विशेषज्ञ के रिक्त पद पर स्थानांतरित करने का कष्ट करें।

महोदय, यह प्रकरण केवल व्यक्तिगत हित का नहीं बल्कि शासन की नीति, सेवा न्याय (Service Justice) एवं जनहित (Public Interest) से संबंधित है, अतः इस पर सहानुभूतिपूर्वक एवं न्यायोचित निर्णय लिया जाना अत्यंत आवश्यक है।

महोदया यदि विभाग द्वारा मेरे प्रत्यावेदन पर सहानुभूतिपूर्वक विचार नहीं किया जाता और सभी नियमों को दरकिनार किया जाता है तब उक्तानुसार आर्थिक एवं मानसिक परेशानी में यदि राजकीय कार्य करते समय या चिकित्सकीय दायित्वों का पालन कराते समय कोई अप्रिय घटना घटित होने पर हमारी कोई ज़िम्मेदारी नहीं रहेगी।

महोदया यदि विभाग चाहे तो इसे हमारा त्यागपत्र मानकर हमारी PMHS PG बांड की शर्तों को समाप्त कर हमें विभाग से कार्यमुक्त भी किया जा सकता है, जिस पर हमारी पूर्ण सहमति है।

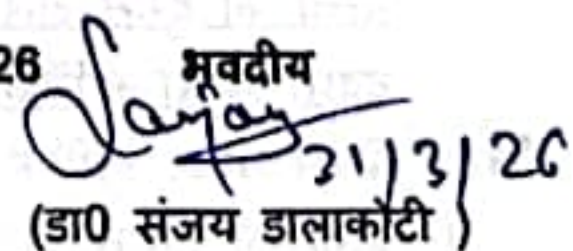
महोदया यदि विभाग द्वारा मेरे प्रत्यावेदन पर 30 दिनों के अंतर्गत कोई निर्णय लेकर मुझे सूचित नहीं किया जाता है तब मुझे मजबूरन न्यायालय की शरण में जाने एवं अन्य विकल्प पर विचार करने हेतु बाध्य होना पड़ेगा जिसकी सम्पूर्ण ज़िम्मेदारी विभाग की रहेगी।

संलग्न -मूल आवेदन पत्र की प्रति:CMOपिथौरागढ़ के पत्रांक 3433 दिनांक 19 जनवरी 2026

उक्तानुसार सहमति

(डा0 सोनली श्री) 31/3/26



भूवदीय

 (डा0 संजय डालाकोटी)

Orthopedics सर्जन

ENT सर्जन जिला चिकित्सालय पौड़ी उत्तराखंड

उप जिला चिकित्सालय (कोटद्वार) पौड़ी उत्तराखंड